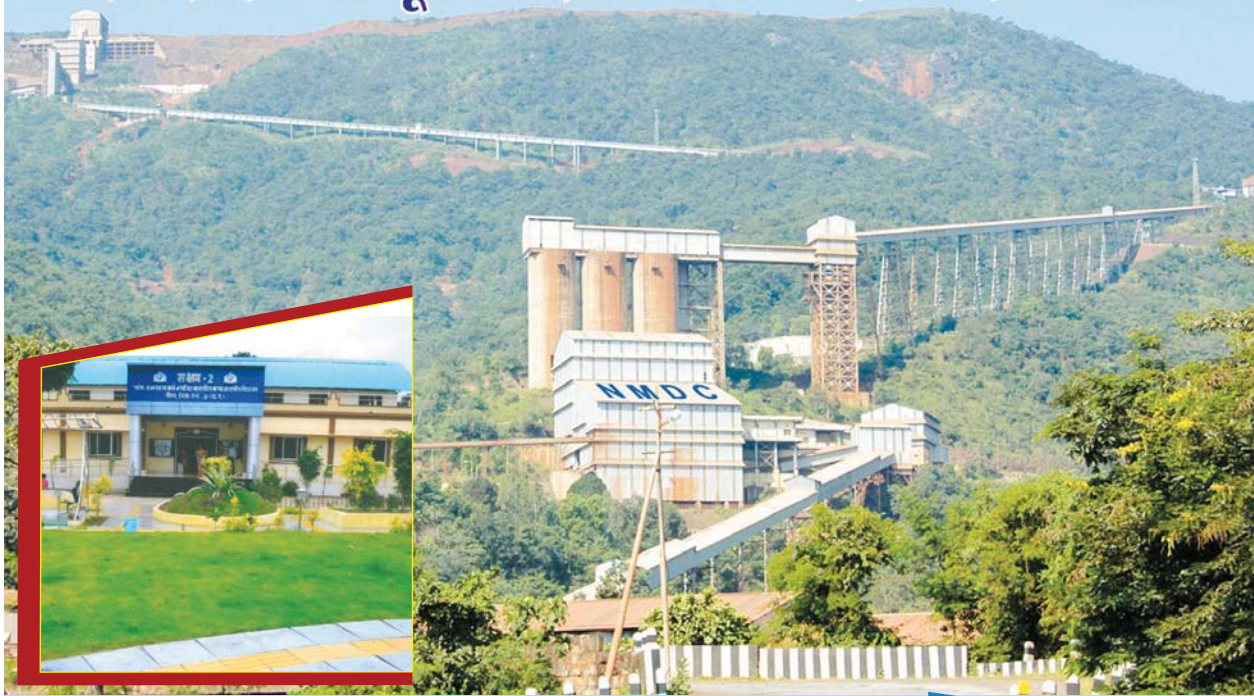


एनएमडीसी सीएसआर नीति के जरिए देश-प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों की तकदीर बदल रहा...



हर कदम प्रदेश सरकार के साथ

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विकास के लिए किए जा रहे कार्यों में एनएमडीसी अपना योगदान देती है, ताकि स्थानीय लोगों को अधिकाधिक लाभ हो। एनएमडीसी का कहना है कि उसे सर्वाधिक खुशी तब महसूस होती है, जब गांव का कोई स्वस्थ बच्चा अपने चेहरे पर मुस्कान लिए स्कूल जाता है, और जब उसकी आंखों में कुछ करने का जोश झलकता है। छत्तीसगढ़ के साथ ही देश के दूर क्षेत्रों के लोगों में ऐसे ही जोश व जज्बे की खातिर एनएमडीसी के ये अहम कदम।

छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदाय के लोगों को मिल रहा खासा लाभ

**देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क खनन कंपनी
एनएमडीसी निभा रही अपनी सामाजिक जिम्मेदारी**

साक्षरता व शिक्षा

मानव विकास में शिक्षा के महत्व को समझते हुए एनएमडीसी अपने कार्यक्षेत्र के आसपास के इलाकों में साक्षरता स्तर में सुधार व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का काम कर रही है। इसके तहत दलित व आदिवासी छात्रों के लिए शिक्षा सहयोग योजना तथा छात्राओं को नर्सिंग के कोर्स के लिए बालिका शिक्षा योजना प्रमुख हैं।

प्रमुख कार्य

-एजुकेशन सिटी

दतेवाड़ा जिले में छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से एजुकेशन हब बनाने की दिशा में काम हुआ। जिले के गौदम में राज्य सरकार द्वारा एजुकेशन सिटी विकसित की गई है। इसमें प्राथमिक से पॉलिटेक्निक स्तर की तकनीकी शिक्षा प्रदान की जा रही है। एजुकेशन सिटी के निर्माण में एनएमडीसी ने सहयोग किया है।

-तकनीकी शिक्षा

बस्तर संभाग के शुवाओं में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संभाग के विभिन्न जिलों में एनएमडीसी के सहयोग से पॉलिटेक्निक व आईटीआई कॉलेजों की स्थापना की गई है।

(सीएसआर) नीति के तहत स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, पेयजल की आधारभूत संरचनात्मक कार्यों का विकास एवं रोजगार संबंधी आवश्यक कौशल विकास प्रशिक्षण तथा शिक्षा के क्षेत्र में अहम भूमिका अदा कर रही है। एनएमडीसी की ओर से इस दिशा में तमाम हिस्सेदारों से विचार विमर्श कर पहल की जाती है, जिनमें स्थानीय लोग, पंचायत प्रतिनिधि व स्थानीय प्रशासन शामिल होते हैं। एनएमडीसी के सीएसआर मॉडल की आज खूब सराहना की जा रही है। सार्वजनिक उपक्रम

विभाग ने एनएमडीसी के स्टेकहोल्डर्स से सोच विचार विमर्श के मॉडल को अन्य पीएसयू के लिए अनुकरणीय करार दिया है। एनएमडीसी की ओर से सीएसआर के तहत किए जा रहे कार्यों का प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदाय के लोगों को लाभ मिल रहा है, जो एनएमडीसी की खदानों के आस-पास के इलाकों में बसे हैं। एनएमडीसी ने सीएसआर के क्षेत्र में किए गए अपने उत्कृष्ट व हृदयस्पर्शी कार्यों की बदौलत विश्व के कई शीर्ष अवार्ड भी अपने नाम किए हैं।

मिड डे मील कार्यक्रम:

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी मिड डे मील योजना में एनएमडीसी सहयोग कर रही है। कंपनी कर्नाटक के दोगिमले प्रोजेक्ट के आसपास के क्षेत्रों में मिड डे मील योजना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है, ताकि स्कूल में बच्चों को पोषिक आहार मिल सके।

शिक्षा सुधार कार्यक्रम:

बस्तर संभाग में स्कूली बच्चों की श्रृंखला आउट दर व सीखने में पिछड़ेपन को देखते हुए एनएमडीसी शिक्षा सुधार कार्यक्रम नाम का प्रोजेक्ट चला रही है। इसका उद्देश्य स्कूल छोड़ चुके बच्चों को पुनः स्कूल में लाना व बच्चों की सीखने की स्थिति में सुधार करना है। इसकी प्रगति के लिए एकेडेमिक केंद्र चलाए जा रहे हैं।

लड़के-लड़कियों के लिए होस्टल :

एजुकेशन सिटी में 1000 लड़के व लड़कियों के रहने के लिए बनाए गए होस्टल को भी एनएमडीसी ने फंडिंग की है।



नगरनार में आवासीय स्कूल

दूर-दराज के इलाकों में आवागमन के लिहाज से चुनींती वाले गांवों के बच्चों की समस्या को ध्यान में रखते हुए एनएमडीसी ने बस्तर संभाग के नगरनार में आवासीय स्कूल की स्थापना की है। एनएमडीसी कर्मचारियों की टीम ऐसे नक्सल प्रभावित गांवों का दौरा करती है और अभिभावकों से अपील करती है कि वे अपने बच्चों को आवासीय स्कूल में भेजें।

आस्था गुरुकुल :

यह एक प्रकार का आवासीय स्कूल है, जो एससी, एसटी, ओबीसी के साथ ही नक्सल हिंसा से पीड़ित परिवारों के बच्चों के लिए खोला गया है। इस स्कूल के निर्माण में एनएमडीसी ने बड़ी भूमिका निभाई। कंपनी अब भी इस स्कूल के सफल संचालन को सुनिश्चित करती है।

सक्षम :

यह दिव्यांग बच्चों के लिए बनाया गया आवासीय स्कूल है, जहां 100 लड़के व 100 लड़कियां रहती हैं। इस स्कूल के नियमित संचालन में आने वाला व्यय एनएमडीसी ही उठाती है।

लक्ष्य योजना:

छत्तीसगढ़ सरकार की इस योजना को एनएमडीसी की ओर से वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके तहत बेरोजगार युवाओं को जीविक संवर्धन प्रशिक्षण प्रशिक्षणों में बैठने शॉर्ट टर्म में कोशिश दी जाती है।

स्वास्थ्य व स्वच्छता

भारत के अधिकांश भागों में लोगों की पहुंच विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा तक नहीं है। इसी के मद्देनजर एनएमडीसी दूरस्थ व पिछड़े इलाकों में विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करा रही है। इस पहल से बीमारियों की रोकथाम के साथ ही इनका इलाज भी हो रहा है। इसके जरिए सामूहिक जागरूकता, व्यक्तिगत स्वच्छता, सुरक्षित सेनिटाइजेशन संबंधी मुद्दों पर भी ध्यान दिया जा रहा है।



प्रमुख कार्य

प्रोजेक्ट हास्पिटल में फ्री मेडिकल केयर सर्विस : एनएमडीसी अपनी खदानों में तीन प्रोजेक्ट हास्पिटल का संचालन कर रही है। इनमें हर साल लगभग दस हजार आंतरिक व एक लाख बाह्य रोगियों का इलाज होता है। इन अस्पतालों में एनएमडीसी कर्मियों के साथ ही स्थानीय लोगों का भी इलाज किया जाता है। दंतेवाड़ा में छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों की तुलना में शिशु व मातृ मृत्यु दर में कमी इन अस्पतालों की सफलता का परिचायक है।



दूरस्थ इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए हास्पिटल ऑन व्हील्स

इस सुविधा के तहत उन गांवों में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जहां के लोगों की स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच कठिन है और जिनमें जागरूकता का अभाव है। ऐसे गांवों में प्राथमिक उपचार के साधनों व प्रशिक्षित पुरुष व महिला डॉक्टरों से एम्बुलेंस वाहन भेजा जाता है। किसी ग्रामीण में गंभीर बीमारी के लक्षण पाए जाने पर उसे प्रोजेक्ट हास्पिटल रेफर किया जाता है। ऐसे गांवों की गर्भवती महिलाओं को भी टीकाकरण के लिए प्रोजेक्ट हास्पिटल लाया जाता है। इसके लिए अलग से एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

-हेल्थ केयर इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण

: इसके तहत एनएमडीसी की ओर से बीजापुर के 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को विभिन्न चिकित्सीय उपकरण उपलब्ध कराए गए। साथ ही बीजापुर जिला अस्पताल में इन्सीनरेटर व बोयो वेस्ट मैनेजमेंट की व्यवस्था कराई गई। सुकमा जिले के पौएवरी व सोपवरी में मशीनरी व स्टेनिंग उपकरणों के मेटेनेंस का काम कराया गया। कोडागांव जिला अस्पताल को मेडिकल टेस्ट के लिए विभिन्न उपकरण प्रदान किए गए।

आदिवासी छात्राओं के लिए मेडिकल की पढ़ाई

स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित मेन पॉवर उपलब्ध कराने के लिए मेडिकल फील्ड में कोरियर के अवसर प्रदान करना : इसके तहत बस्तर संभाग की आदिवासी लड़कियों को मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

निःशुल्क हेल्थ कैप व इलाज

इसके तहत मोतियाबिंद के निःशुल्क 3000 सफल ऑपरेशन कराए जा चुके हैं।

दिव्यांग लोगों के लिए विशेष कैप

नगरनार के आसपास दिव्यांग लोगों की मदद के लिए ऐसे कैप आयोजित किए गए। इनके जरिए जरूरतमंदों का इलाज कर डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें आवश्यक उपकरण प्रदान किए गए। करीब 2500 लोगों को इसका फायदा हुआ।

जगदलपुर में मेडिकल कॉलेज व अस्पताल के निर्माण के लिए 50 करोड़ का योगदान।

नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में छत्तीसगढ़ सरकार के साथ मिलकर ड्रग वेयरहाउस का निर्माण।

बैलाडीला के लिए बने छत्तीसगढ़ सरकार के संजीवनी कोष में योगदान।

जी-75276/3

c
 m
 y
 k

cmlyk



प्रकार से बचाई जाती है विस्तार से कहा गया है। परंप्रण सरभावा का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता श्री देवदुमर शील के द्वारा ही प्रदर्शित दिखाकर एमसीसी के डेटो के रवाना किया गया। एमसीसी के डेटो द्वारा बेंटी बचाओ रेली पछाओ गारुफता रेली निकाली गई ए मार्चापट्ट और संस्कृत कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

कर्मचारियों को लिखी अपनी चिट्ठी में वह कि वल्लाव की इस घड़ी में मैं आप सभी कर्मचारियों से उधोष करता हूँ कि आप सभी एंक्सडर की तरह काम करके इस देश में सरकार के इस कदम का विरोध कर रहे हैं। 19 नवंबर को मेरी कैबिनेट ने बीपीसीएल, भारतीय तेलजरी निगम और कटेनर कॉर्पोरेशन सहित पाँच कंपनियों को प्राइवेट हथों में लाने का फैसला किया था।

आदिवासी बहुल गांवों की संपूर्ण सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार की पहल



कौशल विकास

एनएमडीसी ग्रामीण अंचलों में कौशल विकास संबंधी पहल कर रही है। इसका उद्देश्य गांवों की महिलाओं व युवाओं के बीच कौशल विकास संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन कर उन्हें कमाई के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है। ये कार्यक्रम स्थानीय मुद्दों व जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न ट्रेड में आयोजित किए जाते हैं।

प्रमुख कार्य

- ❖ महिला सशक्तिकरण
- ❖ व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
- ❖ कृषि व आजीविका संबंधी सेवाएं
- ❖ महिलाओं व युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
- ❖ शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएं

इस कार्यक्रम के तहत एनएमडीसी की ओर से देवाड़ा जिले के बेलाडीला प्रोजेक्ट के आसपास के क्षेत्रों में 270 लोगों को इंस्टीटयल गार्मेंटिंग,

पेयजल

स्वच्छ पेयजल मनुष्य के स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है। एनएमडीसी ने इसे ध्यान में रखते हुए स्वच्छ पेयजल तक लोगों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। खासकर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए। इसके लिए एनएमडीसी की ओर से जरूरी ढांचागत सपोर्ट मुहैया कराया गया है।

ग्राम विकास

किसी भी गांव के समग्र विकास में उचित बुनियादी ढांचा बड़ी भूमिका अदा करता है। इसी को ध्यान में रखते हुए एनएमडीसी देशभर में ढांचागत सुविधाओं के निर्माण में लगी हुई है। एनएमडीसी यह काम उन क्षेत्रों में भी कर रही है, जिनकी भौगोलिक संरचना जटिल है, ताकि वहां रह रहे लोगों को अपना सामाजिक व आर्थिक विकास करने के लिए अवसर उपलब्ध हो सकें।

एकीकृत ग्राम विकास

आदिवासी बहुल गांवों की संपूर्ण सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एनएमडीसी ने ऐसे गांवों में बदलाव लाने के लिए 2009 में ही पहल की शुरुआत की। इसके लिए बहुआयामी विकासक कदम उठाए गए। इस पहल को एकीकृत ग्राम विकास नाम दिया गया। इस पहल के पीछे इन गांवों को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने का आइडिया है। ऐसे आदिवासी बहुल गांवों में हेल्थकेयर, एजुकेशन, इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर कृषि व गैर कृषि क्षेत्र से जुड़े आजीविका के साधनों को प्रमोट करने के विकास कार्य किए गए। इन विकास कार्यों को पूर्ण करने के लिए गांवों में विषय विशेषज्ञ एनजीओ को काम पर लगाया गया।

प्रमुख कार्य

- ❖ एनएमडीसी प्रोजेक्ट से सटे गांवों में रोड, पुल का निर्माण
- ❖ ग्रामीणों के लिए सामुदायिक केंद्रों का निर्माण
- ❖ गांवों के लिए सौर ऊर्जा आधारित बिजली की सुविधा

के विभिन्न गांवों में समय समय पर विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं।

प्रमुख कार्य

- वृद्धाश्रम और जेनेरिक इलेक्ट्रिशियन संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त कंस्ट्रक्शन क्षेत्र से जुड़े कामों का प्रशिक्षण भी दिया गया। एनएमडीसी की ओर से इसके अलावा दो अलग कार्यक्रम भी चलाए गए, जिसके तहत स्थानीय युवाओं को डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स कराए जाते हैं।
- टेराकोटा ट्रेनिंग के लिए कौशल विकास केंद्र की स्थापना

- देवाड़ा के कुकरास में की गई, जिसमें बाजार से आ रही मांग के मुताबिक कारीगरों को प्रशिक्षित किया जात है।
- इसके अलावा बस्तर संभाग के 1200 युवाओं को हैड पंप सुधारने व उनके रखरखाव संबंधी प्रशिक्षण दिया गया।
- बेलाडीला क्षेत्र अपने पारंपरिक शिल्प के लिए जाना जाता है। लिहाजा स्थानीय कारीगरों की कला निखारने के लिए यहां



प्रमुख कार्य

नल जल योजना

एनएमडीसी का उद्देश्य पाइप लाइन के जरिए ग्रामीण समुदायों को पेयजल उपलब्ध कराना है। अपनी नल जल योजना के तहत कंपनी ने नगरनार में अपने प्रस्तावित स्टील प्लांट से सटे 10 गांवों को कवर किया है। राज्य सरकार के पीएचडी विभाग के साथ मिलकर यह काम किया गया है।

सौर ऊर्जा आधारित पानी की सुविधा:

एनएमडीसी ने लोगों की पेयजल जरूरत को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा आधारित पंप सफलतापूर्वक स्थापित किए हैं।

जलापूर्ति योजनाओं का समूह:

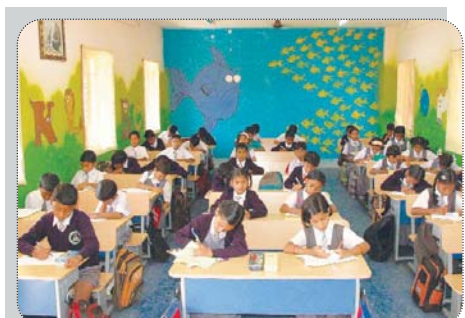
एनएमडीसी राज्य सरकार के साथ योजना के क्रियान्वयन पर काम कर रही है। इसके तहत देवाड़ा जिले में 32 गांवों व 68 आदिवासी बस्तियों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

हैंड पंप:

एनएमडीसी ने बस्तर संभाग में स्थित अपने बेलाडीला प्रोजेक्ट के आसपास करीब 350 हैंडपंप/बोरवेल्स खुदवाए हैं। साथ ही 40 सलाबा/कुओं की भी व्यवस्था की है। कर्नाटक के दोगिमले प्रोजेक्ट के आसपास के गांवों में भी हैंडपंप की व्यवस्था की गई है। देशभर में 150 से ज्यादा हैंडपंप उपलब्ध कराए गए हैं।

बस्तर में विशेष हैंडपंप:

छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से बस्तर में 219 ऐसे हैंडपंप स्थापित किए गए हैं, जिनमें फ्लोराइड निकालने के उपकरण भी लगे हैं।



सामाजिक सरोकारों से मिली पहचान



पर्यावरण संरक्षण को उच्च प्राथमिकता पर्यावरण प्रबंधन

एनएमडीसी की कार्पोरेट पॉलिसी पर्यावरण संरक्षण को उच्च प्राथमिकता देती है। कंपनी अपने प्रोजेक्ट लोकेशन के आसपास संपूर्ण व सुस्थिर विकास सुनिश्चित करने के लिए स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए प्रोजेक्ट के आसपास नियमित वृक्षारोपण मुहिम चलाई जाती है। इसके साथ ही प्रोजेक्ट के आसपास पारिस्थितिकीय तंत्र में समन्वय के लिए जल व मृदा संरक्षण के कार्य भी किए जाते हैं।



■ एनएमडीसी की ओर से छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड के साथ मिलकर सड़क किनारे वृक्षारोपण अभियान चलाया गया है। साल 2016 में 'हरियर छत्तीसगढ़' नाम से चलाए

गए इस अभियान में करीब 315 किमी के दायरे में वृक्षारोपण किया गया।

■ बस्तर संभाग में वर्ष 2008-2009 के बीच 50 हजार पौधे रोपे गए। बस्तर जिले में ही 2011-12 में करीब 115 किमी लंबी सड़क के दोनों किनारों को भी हराभरा कर दिया गया।

■ बैलाडीला क्षेत्र में छत्तीसगढ़ सरकार के साथ मिलकर वाटर एंड सॉयल कंजर्वेशन के काम किए गए। इसका उद्देश्य क्षेत्र की मृदा की गुणवत्ता व वाटर टेबल को बढ़ाना था।



प्राकृतिक आपदाग्रस्त इलाकों में पुनर्वास में योगदान

प्राकृतिक आपदाओं का न तो आसानी से सटीक अनुमान लगाया जा सकता है और न ही आसानी से इनसे निपटा जा सकता है। ऐसी घटनाओं से जान-माल का बड़े पैमाने पर नुकसान होता है। एक जिम्मेदार कार्पोरेट इकाई होने के नाते एनएमडीसी ने ऐसी परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारी को बखूबी समझा है और यह आपदाग्रस्त इलाकों में राहत व पुनर्वास संबंधी गतिविधियों में अपना योगदान देती है।

प्रमुख कार्य

- एनएमडीसी ने अगस्त 2018 में केरल में आई बाढ़ में तबाह हुए दो प्राइमरी हेल्थ सेंटर के पुनर्निर्माण के लिए राशि प्रदान की थी।
- एनएमडीसी ने विशाखापट्टनम में हुड-हुड लूफान से

प्रभावित लोगों की राष्ट्रीय इस्पताल निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के साथ मिलकर मदद की।

■ बिहार में आई बाढ़ के दौरान 32 कमरों के फ्लट रिलीफ शेल्टर भी बनाए गए थे।



संस्कृति व खेल प्रोत्साहन

बस्तर क्षेत्र न केवल प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है बल्कि इसकी संस्कृति की भी अलग पहचान है। क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने के लिए एनएमडीसी यहां के पारंपरिक त्योहारों का सक्रियता से प्रचार-प्रसार करती है। क्षेत्र के युवाओं में खेलों के प्रति नैसर्गिक आकर्षण है। ये उचित मार्गदर्शन में क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर सकते हैं। इसी के मद्देनजर एनएमडीसी नियमित रूप से अलग-अलग खेल गतिविधियों को राज्य में आम तथा बस्तर क्षेत्र में खास तौर पर बढ़ावा दे रही है।

प्रमुख कार्य

- एनएमडीसी हैडबाल व तैरवजो की प्रमोशन के लिए काम कर रही है। वह छत्तीसगढ़ हैडबाल व आर्चरी एसोसिएशन को वित्तीय मदद करती है, ताकि वे इन खेलों का प्रचार प्रसार राज्य में कर सकें।
- एनएमडीसी बस्तर के कई क्षेत्रीय त्योहारों व सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सपोर्ट करती है। इनमें नगरनार का चैत्र मेला,

चित्रकूट महोत्सव, बारासुर महोत्सव, भनपुर मेला और बस्तर लोकोत्सव शामिल हैं।

■ एनएमडीसी बस्तर जिले में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए भी मदद कर रही है।

■ बस्तर क्षेत्र के नवीन खिलाड़ियों की मदद के लिए एनएमडीसी बस्तर जिले के जगदलपुर में आर्चरी, शूटिंग एकेडमी व एथलेटिक ट्रैक के निर्माण के लिए सपोर्ट कर रही है।

एनएमडीसी को मिले प्रतिष्ठित एस एंड पी ग्लोबल प्लैट्स समेत कई अवार्ड

एनएमडीसी लिमिटेड को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई अवार्ड से नवाजा गया है। वे इस प्रकार हैं-

1. कंपनी को वर्ष 2019 में सीएसआर श्रेणी में लगातार दूसरे वर्ष प्रतिष्ठित एस एंड पी ग्लोबल प्लैट्स ग्लोबल मेटल्स अवार्ड से नवाजा गया। यह अवार्ड उसे स्थानीय समुदायों की बेहतरी के लिए शिक्षा, कौशल विकास व स्वास्थ्य के क्षेत्र में समर्पण भाव से किए गए कामों के लिए दिया गया। इस श्रेणी में यह पुरस्कार पाने वाली एनएमडीसी पहली भारतीय कंपनी है। लंदन में 16 मई को आयोजित एक समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। एनएमडीसी के डायरेक्टर (कॉर्प) संदीप तुला ने यह अवार्ड स्वीकार किया। इस अवार्ड के लिए दुनियाभर की 11 नामचीन कंपनियों के नामांकन चुने गए थे।
2. एनएमडीसी को शिक्षा को प्रमोट करने के लिए वर्ष 2019 में मेगा इंटरप्राइजेस श्रेणी में 'इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से आईसीसी सोशल इंपैक्ट अवार्ड प्रदान किया गया।
3. कंपनी को फरवरी 2019 में शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए प्लेटिनम कैटेगरी में एनजी एंड एनवायरनमेंट फाउंडेशन ग्लोबल सीएसआर अवार्ड से नवाजा गया। फरवरी 2018 में कंपनी को प्रतिष्ठित ईटी नाऊ सीएसआर लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड महिला सशक्तिकरण व सामुदायिक विकास की श्रेणी में दिया गया था।
4. सीआईआई-आईटीसी सेंटर ऑफ एक्सिलेंस फॉर सरस्टेनेबल डेवलपमेंट ने एनएमडीसी के सीएसआर प्रोग्राम को 2017 में अवार्ड प्रदान कर अपनी मान्यता दी। कंपनी को 'सीआईआई-आईटीसी सरस्टेनेबिलिटी अवार्ड- 2017-कमेंडेशन फॉर सिनिफिकेंट अचीवमेंट' अवार्ड प्रदान किया गया।
5. एनएमडीसी को 'ईटी 2 गुड 4 गुड' रेटिंग/सर्टिफिकेशन स्क्रीम द्वारा सीएसआर क्षेत्र के स्तंभ- कारपोरेट संचालन, हिस्सेदारों की भागीदारी, निगरानी व मूल्यांकन के लिए विशिष्ट सर्टिफिकेट प्रदान कर मान्यता दी गई। यह प्लेटफॉर्म इकोनॉमिक टाइम्स व केपीएमजी इंडिया के द्वारा बनाया गया है।



सीएम बघेल ने बीजापुर को दी 291 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात



जिला चिकित्सालय में 2 करोड़ 45 लाख के उपकरणों का लोकार्पण, मरीजों का जाना हाल

नवप्रदेश संवाददाता
बीजापुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को बीजापुर जिले को 291 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी। जिला मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने इन विकास कार्यों की जिलेवासियों को सौगात दी।

उन्होंने इस अवसर पर जिला चिकित्सालय में ही 2 करोड़ 45 लाख रुपए के उपकरणों का लोकार्पण किया। इनमें सिटी स्कैन मशीन (1.99 करोड़), इकोकार्डियोग्राफी मशीन (24 लाख रुपए), एक्स-रे और सोनोग्राफी सुविधा व रुम जीपीआईआर (23 लाख रुपए) शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उसुर और गंगानूपर के लिए दो नई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना

किया। मुख्यमंत्री अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी चर्चा की। इस मौके पर राजस्व एवं प्रभारी मंत्री जयसिंह अग्रवाल, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, सांसद दीपक बैज व पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम, विधायक विक्रम मंडावी आदि उपस्थित थे।

ये दो सलाह भी दीं सीएम ने

गायों की सुधारें नस्ल : मुख्यमंत्री ने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से कहा कि गायों की नस्ल सुधार के लिए आवश्यक काम करें। उन्होंने विभाग के उप संचालक को बुलाकर इस संबंध में किए जा रहे प्रयास की जानकारी ली। उप संचालक कांबले ने बताया कि 15 गोशालों में कृत्रिम गर्भाधान का कार्य किया गया है। विभागीय मद से

927 पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान किया गया है।
पैरा न जलाएँ, दान करें: मुख्यमंत्री बघेल ने ग्रामीणों से कहा कि पैरा जलाना नहीं है। गोठों में पैरादान करना है। खेती किसानों के लिए यूरिया पोटाश नहीं डालना पड़ेगा। गोबर की खाद से ही पर्याप्त फसल व आय होगी।

पौधों का किया गोठान में रोपण

इस मौके पर वाणीणी ने उन कजरीफूल जवाफूल तीखूर अथवा नैदिक उपद्रव मुखयन्त्र बघेल को नैदिक किया। वहीं मुखयन्त्र ने उसी के अन्तर्गत विमाना द्वा-
प्रदान किए गए जादियल व आ-
के पौधों का मोहन में रोपण किया।
इससे पहले धनोः स्थित हेलीप-
इससे मुखयन्त्र बघेल का स्व-
संभागायुक्त अमृत खलको-
कलोटर केडी कुंजान, पुलिस-
अधीनस्थ दिव्यांग पटेल व पा-
पराधीनस्थ ने किया।

गोबर से भी पैसा बनाया जा सकता है : मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री श्वेल वाम पंथात मूसातूर के वाम मुकुणपाल भी पहुँची। यहाँ उन्होंने 3 एकड़ में निर्मित मोतन क अखलैकन कर वाणीणों से बातचीत की। वाणीणों ने बताया कि लगभग 200 जननद मोतन में लप गप है। ह्य सस्यता समूह की महिलाओं ने बताया कि लगभग 5-6 विपल स्यद बनाई गई है। इस पैरान मुख्यमंत्री ने ह्य सस्यता समूह की महिलाओं को कर्मी स्यद बनाने की सलह दी और कस कि गोबड से पैस बनय स्य सकयत है।

छत्तीसगढ़ के कोसे और खादी को लेकर दिख रही लोगों की दिलचस्पी



■ प्रगति मैदान में आयोजित व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ के पवेलियन में ग्राहकों की उमड़ रही भीड़

रायपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे 39वें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ के पवेलियन में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। यहाँ लोगों को छत्तीसगढ़ की हैबलूम उत्पाद खासा आकर्षित कर रहे हैं। मेले में छत्तीसगढ़ से पहली बार लेकर आए सिल्क कोसे की रेडिमेड कपड़ों को लेकर लोग काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

छत्तासगढ़ के पंडाल हल नंबर 12 ए में वहाँ के कारीगरो द्वारा हस्तनिर्मित कपड़ों समेत अन्य चीजों की लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। जिसमें सर्वाधिक सिल्क के रेडीमेड और खादी के कपड़ों की मांग दिख रही है। प्रदेश के बुनकर रेडीमेड कपड़ों में सिल्क कोसे की ब्याउज, शर्ट,

भा रही छत्तीसगढ़ के कोसे की साड़ियाँ

छत्तीसगढ़ की सिल्क साड़ी का जलवा मेले में अलग ह
के बुनकर कोसे सिल्क से तैयार की गई साड़ियों
कीमत 2000 से शुरू होकर 15000 रुपये तक है। य
में दास मिल रही है, जो मेला देखने पहुंच रही महिला
रही है। इन साड़ियों में आदिवासी संस्कृति की झलक
टैम्पल, जाला बूटा आदि विभिन्न वेराइटी की साड़ियों उ

कुतू-कुतिया, जैकेट, साइडाय
आदि लेकर पहुँचे। मेले में
खरीदारी करने पहुँचे रणिणी के
प्राथम्य गौतम का कहना है कि
मेले के लगभग सभी स्टालों में
मिर्चालाओं के कि सपने उभर आते
हैं, छद्मसाहस के फले में फंसी
बारूत पुराने के लिए भी कोसे की
आर और कुतू उज्जित कीमत पर
उपलब्ध है, जिसकी कीमत खुशी।
वही इंद्रियपुनः की खुने वही
पुनम का कहना है। फले में फंसी
है कोसे की साइडाय फले ही दुई
की हुई है, इसीलिए मैं समझा यहाँ
उपलब्ध करिणी करती हूँ, मुझे
साइडाय के खिटे और प्रमुक्तिक रंग
प्रसन्न आते हैं। वही खाद्य चिन्ता
मुझमें आश्रय प्राप्त लाया घर स्टाल में

वह सो ब
आदि रखे
व्यापार मे
मटरियाल
प्रमुक्तिक
उपलब्ध है
कहना है
सो तेवर
खरीदने में
वही, खाद्य
राल पर
सुगंधित भ
सोसे में ते
सयाह ही अ
की वजह न
रहे। वही
अगरबत्ती
शान्ति है।

■ नगरीय निकाय आ
निर्वाचन : अभ्यर्थी
को निर्वाचन व्यय के
लिए अलग खाता
खोलना होगा

[illegible]

और इस संबंध में बनाए गए नये प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी।

राज्य निर्वाचन अधिनियम में प्रशिक्षण में बतवाय किए तीन लाख से ऊपर जनसंख्या वाले नगर निगम और तीन लाख से कम जनसंख्या वाले नगर निगम के लिए तीन लाख की व्यव सीमा निर्धारित की गई है। नगर पाकिस्तान क्षेत्रों के लिए डेढ़ लाख और नगर चंपायन क्षेत्रों के लिए 50 हजार की व्यव सीमा निर्धारित की गई है। अर्थव्यवस्था को नामांकन प्रस्तुत करने के दिन निर्वाचन व्यव के लिए पथक्रम से खाता प्रतिनिधता होगा तथा दिन प्रतिदिन होने वाले चुनौती खर्चों का निर्धारित चक्रुषु में व्यौरा देना होगा। चुनावी व्यव के अंकलेशन के लिए प्रत्येक निगम में व्यव संपरीक्षक की नियुक्ति की जानी है।

 कल्याणी एकीकृत पुनर्वास
व नशा मुक्ति केन्द्र

**क्या आप
नशा मुक्त
होना चाहते है ?**

कल्याणी एकीकृत पुनर्वास व नशा मुक्ति केन्द्र

1/22, न्यू इण्डिया नगर, उपनगर कोयला के खान के पास
तुलसी, मिर्जापुर नगर, जिला-दुर्ग (भ.प्र.) - 490023
फोन : 09302912115, 0777908888

Link : www.kalyani.ind.in

[illegible][illegible]

SB
संतोष ब्रिक्स
 Karhidihi Chowk, Dhamdha
 Road, Durg (C.G.)



संतोष ब्रिक्स
 कारहीडी चौक धमधा रोड, दुर्ग
 प्लॉट एन ईटी-84, 94 के निर्माता एवं विक्रेता
 संपर्क नं. - 7024249450

विमंदित बच्चों और पालकों का आवासीय प्रशिक्षण शुरू

■ सीखने, सांस्कृतिक और खेल में बच्चों ने ली गहरी रुचि



रायपुर। समावेशी शिक्षा के तहत मानसिक रूप से विमर्दित बच्चों को और उनके पारकों एवं अभिभावकों के लिए एक वैकल्पिक शिक्षण किला का आरंभ आसानीय प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। यह जिला स्तरीय प्रशिक्षण जिला परियोजना कार्यालय पर शिक्षा द्वारा शासकीय सम्प्रदाय नवीन कक्षा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पुरानी बस्ती, रायपुर में हो रहा है। प्रशिक्षण के प्रारंभिक सत्र में बच्चों को रंगों एवं पेंटों तथा अक्षरों को पहचान करना तथा आपस का वस्तुओं द्वारा सिखाने और सिखाने का प्रयास किया गया। इसके बाद तीन

प्रदर्शन के बाद बच्चों द्वारा सीखने के प्रति गहरी रुचि देखी गई। रायपुर जिले के रायपुर शहर और 4 विकासखण्डों से 75 पालक और 75 बच्चों कुल 150 प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में पहले दिन माॅस्टर ट्रेनर के द्वारा बच्चों की रुचि के अनुसार वस्तुओं के निर्माण कराने के बारे में बताया गया। माॅस्टर निर्माण क किया गया। बच्चों उस्ताहफ़्फ़ा किया। माॅस्टर उपाध्याय ने बच्चों एव विभिन्न सुरक्षित र री-नोकार व

खेलते समय, तालाब, कुआं, गड्ढे पानी, आग आदि से बचाव के बारे में टिप्स दिये गये।

प्रशिक्षण में बच्चों को सार्वजनिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों को अभिरूचि के अनुसार सार्वजनिक गतिविधियाँ गाएँ, डाँस, संगीत आदि विषयों को भाग लेते हुए प्रदर्शन कराया गया और खेल खेलने के लिए भी आमंत्रित किया गया। बच्चों ने पारसवाल, पुर्बजो, बेमोटम, वाकेट-डाल आदि खेल खेलने का अवसर प्राप्त किया। प्रशिक्षण में जिला मण्डल समन्वयक के द्वारा प्रशिक्षण, सहकारि प्रयोगकर्ता समन्वयक, श्रोत्रीनी तथा वार्मा श्रोत्री स्वीत केन्द्र समन्वयक श्री रिपराज शिखीर सहित संघर्षिता अधिकारी-संघर्षिता उपस्थित थीं।

[illegible]

प्रवेश प्रारंभ 2019-20

RAMAN I.T.I.

Affiliated By N.C.V.T & D.G.T.C.G. R.N.-6/354/2016

Computer Course Hindi

COPA & STENO

- छात्रवृत्ति योजना
- पर्यवेक्षण सुविधा
- शालाकीय सेवक में मान्य होकर

0788-403357, 4903573,
7773027492, 7389471941

सत्र 2019-20 में आने वाले छात्रों को निम्न शर्तों पर प्रवेश देना है।
 1. छात्रों को निम्न शर्तों पर प्रवेश देना है।
 2. छात्रों को निम्न शर्तों पर प्रवेश देना है।
 3. छात्रों को निम्न शर्तों पर प्रवेश देना है।



Director
Arvind Singh